ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२३
दिनांक- शुक्रवार, १७ अप्रैल, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३७.८ एवं २०.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ३० प्रतिशत, हवा की औसत गति १०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २०.२ एवं दोपहर में ३२.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १२.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१८-२२ अप्रैल, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८-२२ अप्रैल तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पुर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल छाये रह सकते है। अगले ४८-७२ घंटो में उत्तर बिहार के अधिकतर स्थानो पर गरज वाले बादल बनने के साथ वर्षा होने का अनुमान है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवा के साथ ओला वृष्टि भी हो सकती है
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३७ से ३८ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २१-२३ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६० से ६५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३५ से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

सामान्य सलाह

- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए खेतो में एक-दूसरे के बीच सामाजिक दूरी (अर्थात कम से कम १ मीटर यानी ३ फ़ीट की दूरी) बनाए रखें तथा हमेशा मास्क लगाएं।
- किसान भाई आरोग्य सेतु एप इस्तेमाल कर कोराना वायरस के संक्रमण से बच सकते है । इस एप को आसानी से अपने मोबाइल फोन के प्ले स्टोर में जा के डाउनलोड कर सकते है । यह एप आपको आपके आसपास कोरोनावायरस पजिटिव लोगो के बारे में पता लगाने में मदद करेगा ।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में बारिश की संभावना को देखते हुए कृषक भाई गेहूं तथा अरहर की कटनी दौनी सावधानी पूर्वक करे । कीटनाशकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करे ।
- लीची के पेड़ में फल बेधक कीट के शिशु जो उजले रंग के होते हैं। यह फलों के डंठल के पास से फलो में प्रवेश कर गुद्दे को खाते हैं जिससे प्रभावित फल खाने लायक नहीं रहता। इस कीट से बचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० का १० मि०ली० या कार्बारिल ५० प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का २० ग्राम दवा को १० लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में १५ दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव करें। किसान भाई लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से छिडकाव करें। आम के बगीचों में नमी बनाये रखें।
- विगत माह में बोयी गई मूंग व उरद् की फसलों में निकाई-गुराई एवं बछनी करें। इन फसलों में सघन रोमोवाली सुंडिया की निगरानी करें। इनके सुंडियो के शरीर के उपर काफी घने बाल पाये जाते है। यह मूंग एवं उरद् के पौधों के कोमल भागों विशेषकर पत्तियों को खाती है। इनकी संख्या अधिक रहने पर कभी-कभी केवल डण्ठल ही शेष रह जाती है। इस प्रकार इस कीट से फसल को काफी नुकसान एवं उपज में काफी कमी आती है। रोक-थाम हेतु फसल में मिथाइल पैराथियान ५० ई०सी० दवा का २ मि०ली०/लीटर या क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल में छिडकाव करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई एवं सिंचाई करें। सब्जियों में कीट एवं रोग-व्याधि की निगरानी प्राथमिकता से करते रहें। कीट का प्रकोप इन फसलों में दिखने पर मैलाथियान ५० ई०सी० या डाइमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३५.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २०.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.१ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी